धमकियां मिलने पर गोगामेड़ी ने पुलिस से मांगी थी सुरक्षा

जयपुर। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की गोली मारकर की गई हत्या ने पुलिस मुख्यालय व कमिश्नरेट के अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। गोगामेड़ी को पिछले डेढ़ साल से जान से मारने की विदेशी नंबरों व यूपी के रजिस्टर्ड मोबाइल

- गोगामेड़ी को क्रिमिनल मानकर पुलिस ने सुरक्षा देने से कर दिया था इनकार

नंबरों से धमकी मिल रही थी। इस मामले में गोगामेड़ी ने पुलिस मुख्यालय से सुरक्षा मांगी और श्यामनगर पुलिस थाने में पिछले साल 15 मार्च को मुकदमा भी दर्ज कराया था, लेकिन पुलिस मुख्यालय ने गोगामेड़ी को क्रिमिनल मानकर सुरक्षा देने से इनकार कर दिया। श्यामनगर थाना पुलिस ने 14 नवंबर 2022 को करीब आठ महीने बाद यह लिखकर मामले में बिना जांच के एफआर लगा दी कि आरोपियों का पता नहीं चला। ऐसे में अब इस हत्याकांड में पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई है। इससे पहले गोगामेड़ी ने हनुमानगढ़ के भादरा थाने में भी धमकी मिलने की शिकायत दी थी, लेकिन पुलिस ने शिकायत पर मुकदमा दर्ज नहीं करके नजरअंदाज कर लिया। इस पूरे घटनाक्रम में पुलिस के आला अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। जिम्मेदार अधिकारियों ने मामले में चुप्पी साध ली और एक-दूसरे पर मामले को टालने में लगे हैं। सुरक्षा नहीं मिलने से गोगामेड़ी ने दो निजी सुरक्षाकर्मी रख रखे थे। गौरतलब है कि गोगामेड़ी के खिलाफ हत्या, हत्या का प्रयास, लूट व योन शोषण समेत एक दर्जन मुकदमे अलग-अलग पुलिस थानों में दर्ज हैं। इधर, घटना के बाद गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम से बने फेसबुक पेज पर हत्या की जिम्मेदारी ली गई है। पोस्ट में लिखा- 'राम राम, सभी भाइयों को मैं रोहित गोदारा कपूरीसर, गोल्डी बरार। भाइयों आज यह जो सुखदेव गोगामेड़ी की हत्या हुई है। इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी हम लेते हैं। यह हत्या हमने करवाई है। भाइयों मैं अपको बताना चाहता हूं कि ये हमारे दुश्मनों से मिलकर उनका सहयोग करता था। उनको मजबूत करने का काम करता था। रही बात दुश्मनों की तो वह अपने घर की चौखट पर अपनी अर्थी तैयार रखें। जल्दी उनसे भी मुलाकात होगी।'

गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी लग्जरी कार में आए तीन शूटरों ने मंगलवार को घर में घुसने के बाद ताबड़तोड़ फायरिंग करके हत्या कर दी। वारदात के दौरान बदमाशों के साथ आए उनके साथी की भी गोली लगने से मौत हो गई। गोगामेड़ी की हत्या की जिम्मेदारी लेने वाला गैंगस्टर रोहित गोदारा गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की गैंग का गुर्गा है। इस पर पुलिस ने एक लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा है। गोदारा 2022 में फर्जी नाम से पासपोर्ट बनवाकर दुबई भाग गया था। गोदारा विदेश जाने से पहले बीकानेर के लूणकरणसर में कपूरियासर में रहता था। चूरू के सरदारशहर में 2019 में भींवराज सारण की हत्या के मामले में भी मुख्य आरोपी था। गैंगस्टर राजू ठेहट के मर्डर की भी गोदारा ने जिम्मेदारी ली थी।

वहीं राजपूत समाज की संघर्ष समिति ने गोगामेड़ी के हत्यारों के एनकाउंटर की मांग है। धरना स्थल पर मांग पत्र में मृतक के परिजनों को 11 करोड़ रुपए की मुआवजा राशि, मृतक के परिजन को सरकारी नौकरी देने, परिवार को आजीवन सुरक्षा सहित, हथियार लाइसेंस देने की मांग की है। वहीं समिति ने कहा कि गोगामेड़ी को सुरक्षा क्यों नहीं दी गई, इस पर हाईकोर्ट जज से 15 दिन में जांच की जानी चाहिए। इसे अलावा श्याम नगर थाना प्रभारी को तुरंत प्रभाव से हटाने की भी मांग की गई है।

राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के बाद पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये जयपुर में ए श्रेणी की नाकाबंदी की।

करणपुर विधानसभा में 5 जनवरी को होगा मतदान

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग ने गंगानगर जिले के विधानसभा क्षेत्र करणपुर में चुनाव के लिये मतदान की तिथि 5 जनवरी निर्धारित की है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार करणपुर विधानसभा में चुनाव करवाने के लिये 12 दिसम्बर को अधिसूचना जारी की जायेगी। अधिसूचना के साथ ही नामांकन पत्र जमा करने की प्रक्रिया शुरू होगी। 19 दिसम्बर तक नामांकन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि होगी। 20 दिसम्बर को नामांकन पत्रों की संवीक्षा की जायेगी तथा 22 दिसम्बर तक नामांकन पत्रों को वापिस लेने की अंतिम तिथि होगी। 5 जनवरी को मतदान होगा तथा 8 जनवरी को मतों की गणना की जायेगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि करणपुर विधानसभा क्षेत्र में चुनाव की तिथि घोषित होने के साथ ही श्रीगंगानगर जिले में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है।

कोई गलतफहमी ना पाले कि वह अपने दम पर जीतकर आया है : भाकर

- पायलट खेमे के विधायक ने कहा, ''आलाकमान की बात तो सबको माननी ही पड़ेगी'
- 'पार्टी आलाकमान की अवमानना का गलत संदेश लोगों के बीच गया है। मुझे लगता है कि उसी की वजह से सीटें कम रहीं। यह डैमेज उसी की वजह से हुआ है'

जयपुर, (का.प्र.)। कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर ने कहा कि पार्टी आलाकमान ही सब कुछ है। इस बार चुनाव में जो सीट कम रही है, उसका एक कारण आलाकमान की बात नहीं मानना भी है। पार्टी आलाकमान की अवमानना का गलत संदेश लोगों के बीच गया है। मुझे लगता है कि उसी की वजह से सीटें कम रहीं। यह डैमेज उसी की वजह से हुआ है।

सचिन पायलट खेमे के माने जाने वाले लाडनूं विधायक मुकेश भाकर ने विधायक दल की बैठक से पहले कहा कि आलाकमान की बात तो सबको माननी ही पड़ेगी। कोई यह गलतफहमी नहीं पाले कि मैं अपने दम पर चुनाव जीतकर आया हूं। भाकर ने कहा कि पार्टी आलाकमान की तो सबको माननी ही पड़ेगी। आलाकमान ही है जो इस पार्टी को चला रहा है। पार्टी आलाकमान, गांधी परिवार और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को लंबे समय से देश को जोड़कर रखा है। इतने लंबे समय से देश को प्रेम और भाईचारा कांग्रेस पार्टी ने दिया है। पार्टी देश को विकास की राह पर लेकर आई है। आलाकमान, कांग्रेस पार्टी और हाथ के निशान के बिना कोई यह सोचे कि अपने दम पर कुछ कर सकता हूं तो यह सही नहीं है।

भाकर ने कहा कि देश में भाजपा ने साम्प्रदायिक माहौल बनाया है। मोदी सरकार ने लोगों को बेरोजगारी दी और देश में बंटवारे की राजनीति हुई, उसके खिलाफ देश के लोग खड़े हैं। राजस्थान में भाजपा की कोई लहर इस चुनाव में नहीं थी, अगर हम लोग थोड़ी सी भी मेहनत और करते, ठीक से चुनाव कंट्रोल करके और सब लोगों को साथ लेकर चल पाते तो एक बार फिर से सरकार में आ सकते थे।

उन्होंने कहा कि चुनावी अभियान में कहीं न कहीं कमियां रहीं। जिन लोगों का जनाधार था, हमें उन लोगों को जनता के बीच घुमाना चाहिए था। ज्यादा मीटिंग होती और हम लोग चुनाव को कंट्रोल करते तो ज्यादा अच्छे नतीजे आ सकते थे, लेकिन फिर भी जो वोट शेयर कांग्रेस का रहा है वह संतोषजनक है। जहां कमियां रह गईं, उन पर हम मंथन करेंगे। हर बार हार के बाद हम लोग समीक्षा नहीं करेंगे तो पार्टी के लिए और लोगों के लिए ठीक नहीं होगा।

फायरिंग करते हुए बदमाशों के तीन सी.सी.टी.वी. फुटेज सामने आए

जयपुर। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या और उसके बाद के तीन सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। पहले फुटेज में बदमाश हत्या करते दिख रहे हैं। दूसरे में घर के बाहर फायरिंग हो रही है। इसमें गोगामेड़ी के गार्ड की तरफ से भी क्रॉस फायरिंग की गई। वहीं, तीसरे फुटेज में दोनों बदमाश हत्या के बाद सड़क पर भागते दिख रहे हैं।

पहले फुटेज में नजर आ रहा है कि तीन लोग गोगामेड़ी के साथ हॉल में बैठे थे और एक हॉल में ही खड़ा था। हॉल में बैठकर बात करने के 10 मिनट बाद एक बदमाश सोफे से उठा और गोगामेड़ी के सिर पर शूट किया। गोगामेड़ी के पास सोफे पर नवीन सिंह शक्तावत भी बैठा हुआ था, जो फायर करने वाले दोनों बदमाशों को लेकर आया था।

बदमाशों के फायर करने पर नवीन ने उनको रोकने की कोशिश की तो एक बदमाश ने उस पर भी फायर कर दिया। फायरिंग होते ही हॉल में खड़ा युवक पर्सनल सिक्योरिटी गार्ड बाहर भागने लगा तो एक बदमाश ने उसको भी गोली मार दी। इसके बाद बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग की और ताबड़तोड़ 15 से ज्यादा राउंड फायर किए।

दूसरे सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि कमरे में जब बदमाश लगातार फायर कर रहे थे, उस समय बाहर हथियार लेकर सुखदेव सिंह के सिक्योरिटी गार्ड खड़े थे। बदमाश जब फायरिंग कर बाहर आने लगे तो कोने में खड़े एक गार्ड ने फायर किया। फायरिंग की आवाज सुनकर वहां मौजूद कुछ लोग भाग गए। इसके बाद बदमाश भी मौके से फरार हो गए।

तीसरे फुटेज में दोनों बदमाश सड़क पर भागते नजर आ रहे हैं। दोनों बदमाशों ने पिस्टल दिखाकर पहले एक कार को रोकने की कोशिश की, लेकिन कार सवार गाड़ी लेकर भाग निकला। इसके बाद बदमाशों ने एक स्कूटी सवार को रोक लिया। फिर वे स्कूटी लेकर भाग निकले।

पुलिस शुरुआती जांच में मान रही है कि दोनों बदमाशों ने नवीन को सुखदेव गोगामेड़ी की हत्या के लिए मोहरा बनाया। सुखदेव गोगामेड़ी से मिलने के बहाने नवीन को साथ लेकर दोनों बदमाश पहुंचे थे।

वीनू गुप्ता ने संभाला रेरा चेयरपर्सन का कार्यभार

जयपुर। वीनू गुप्ता ने मंगलवार को उद्योग भवन स्थित रेरा कार्यालय में राजस्थान रियल एस्टेट रेगुलेटरी ऑथारिटी के चेयरपर्सन का पदभार संभाल लिया।

वीनू गुप्ता ने रेरा चेयरपर्सन का कार्यभार संभालने के बाद कहा कि रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े प्रदेश के आमनागरिकों को समय पर राहत दिलाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी, वहीं रेरा एक्ट प्रावधानों को प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करने पर बल दिया जाएगा।

रेरा चेयरपर्सन वीनू गुप्ता ने कहा कि रेरा चेयरपर्सन का कार्य इस क्षेत्र से जुड़े आम नाागरिकों से सीधा जुड़ा होने के कारण उनकी और अधिक जिम्मेदारी हो जाती है। उन्होंने कहा कि समस्याओं के समाधान पर बल दिया जाएगा।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 6 जनवरी से

जयपुर, (का.सं.)। प्रदेश के ऐसे मतदाता जिनकी उम्र एक जनवरी, 2024 को 18 वर्ष पूर्ण होने जा रही है और जिनका नाम मतदाता में सूची नहीं है, ऐसे सभी मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए निर्वाचन विभाग 6 जनवरी से प्रदेश की 199 विधानसभा क्षेत्रों की फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाएगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारियों द्वारा एकीकृत मतदाता सूचियों के प्रारूप का प्रकाशन 6 जनवरी को किया जाएगा, दावे एवं आपत्तियां 6 जनवरी से 22 जनवरी तक प्राप्त किए जाएंगे। 2 फरवरी तक दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा एवं मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन 8 फरवरी को किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने अर्हता 1 जनवरी, 2024 के संदर्भ में फोटोयुक्त मतदाता सूचियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया है।

एक भी अपराधी और गैंगस्टर बख्शा नहीं जाएगा : गजेंद्र सिंह शेखावत

- श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोगामेड़ी की हत्या पर बोले केंद्रीय जलशक्ति मंत्री
- कहा, ''भाजपा सरकार बनने पर सुनिश्चित करेंगे कि राज्य में अमन, चैन और शांति कायम हो''

जयपुर/नई दिल्ली। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जयपुर में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की दिन-दहाड़े हत्या पर कहा कि एक भी अपराधी और गैंगस्टर, जो इसमें संलिप्त था, वो नहीं बख्शा जाएगा। मंगलवार को संसद भवन में मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि जिस तरह से राजस्थान में गैंगवार पनपी हैं। अलग-अलग गैंग्स के बीच में युद्ध शुरू हुए हैं। राजस्थान को अराजकता की अग्नि में धकेला गया। यह उसी का दुष्परिणाम है। स्वर्गीय सुखदेव सिंह को धमकियां मिली थीं। उन्होंने पुलिस-प्रशासन को आगाह भी किया था, लेकिन दुर्भाग्य से जिस स्तर पर उनको सुरक्षा मिलनी चाहिए थी, उस स्तर पर सुरक्षा प्रदान नहीं की गई।

शेखावत ने कहा कि निश्चित रूप से इसके लिए जिम्मेदारी तय करने की आवश्यकता है। जिन लोगों ने यह दुर्दांत कृत्य किया है, उनको तुरंत गिरफ्तार किया जाए। उनको सजा मिले। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार बनने के बाद में इस बात को हम सुनिश्चित करेंगे कि राजस्थान में अमन, चैन और शांति का शासन कायम हो। सभी गैंगस्टर और बदमाशों पर विराम लगे। उनको किए की सजा भगतनी पड़े और जेल में बंद किया जाए। राजस्थान में शांति का शासन स्थापित हो सके।

साथ ही, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं सभी से आग्रह करूंगा कि इस समय उद्वेलित होने के बजाय शांति बनाए रखने की आवश्यकता है। एक बात का भरोसा और विश्वास दिलाता हूं कि एक भी अपराधी और गैंगस्टर, जो इसमें संलिप्त था, वो बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस-प्रशासन को आगाह करना चाहता हूं कि राजस्थान में जिन लोगों को इस तरह की धमकियां मिली हैं, तुरंत उनको सुरक्षा भी प्रदान करें। जिन्होंने धमकियां दी हैं, उन सबके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करें।

इससे पहले, ट्वीट कर शेखावत ने कहा कि श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के समाचार से स्तब्ध हूं। इस संदर्भ में पुलिस कमिश्नर से जानकारी ली है और आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक जनों को शांति और धैर्य रखना होगा। भाजपा सरकार के शपथ लेते ही राज्य को अपराधमुक्त करना हमारी अग्रणी प्राथमिकताओं में है। गोगामेड़ी की आत्मा को प्रभु शांति प्रदान करें। परिजनों और समर्थकों-शुभचिंतकों को संबल प्राप्त हो।

'पत्रकारिता और पत्रकारों के प्रेम से बढ़कर जीवन का कोई मूल्य नहीं'

जयपुर। वरिष्ठ पत्रकार गोपाल शर्मा के सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने जाने पर विभिन्न पत्रकार संगठनों की ओर से मंगलवार को नारायण सर्किल स्थित पिंकसिटी प्रेस क्लब में राजस्थान के वरिष्ठतम पत्रकार मिलाप चन्द डंडिया के सानिध्य में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रदेश और राजधानी के वरिष्ठ और युवा पत्रकारों ने गोपाल शर्मा का गर्मजोशी से अभिनंदन किया।

अपनों के बीच अपनों से सम्मानित होने के मौके पर गोपाल शर्मा ने कहा कि मेरे लिए आज का दिन विधानसभा में जाने से भी अधिक खुशी का दिन है। पत्रकारिता की यात्रा के बाद राजनीतिक जीवन की शुरुआत में अपनों का साथ मुझे आनंदित करने के साथ गौरव का अनुभव करवा रहा है। उन्होंने कहा कि वे पत्रकारों की सभी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करेंगे। गोपाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश के पत्रकारों ने अभाव और सीमित संसाधनों के बीच रहकर हंसते-हंसते श्रेष्ठ पत्रकारिता की है। सच के प्रति प्रतिबद्धता पत्रकारिता की पहली पहचान है। यहां के पत्रकारों की प्रदेश में एक अलग पहचान रही है। इस चुनाव में पत्रकार की प्रतिष्ठा को कम आंकने का प्रयास किया गया था, लेकिन पत्रकारों ने इसका माकूल जवाब दिया है।

मुख्यमंत्री पद को लेकर अलग-अलग खेमों का शक्ति प्रदर्शन शुरू

- प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने प्रदेशाध्यक्ष जोशी के घर जाकर मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री पद को लेकर उन्होंने कहा कि पार्लियामेंट्री बोर्ड जो फैसला लेगा, वो ही सभी को मान्य होगा

जयपुर। राजस्थान में बहुमत मिलने के बाद भारतीय जनता पार्टी में अब मुख्यमंत्री पद को लेकर अलग-अलग खेमों का शक्ति प्रदर्शन शुरू हो गया है। जयपुर में सोमवार और मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से 30 विधायकों ने मुलाकात की है। वहीं प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी से 40 विधायक मिल चुके हैं। इसमें से 6 विधायक ऐसे हैं, जो दोनों नेताओं के पास गए थे।

वहीं मंगलवार को वसुंधरा के समर्थक कालीचरण सराफ ने दावा किया कि वसुंधरा के घर 70 विधायक गए थे। वहीं दूसरी तरफ, सीपी जोशी से मिलकर जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा ने कहा कि भाजपा ने केंद्र और सीपी जोशी के नेतृत्व में जीत हासिल की है। मीणा सोमवार को वसुंधरा के घर भी गए थे। प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने भी जोशी के घर जाकर मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री पद को लेकर उन्होंने कहा कि पार्लियामेंट्री बोर्ड जो फैसला लेगा, वो ही सभी को मान्य होगा।

मंगलवार को पचपदरा से अरुण चौधरी, लूणी से जोगाराम पटेल, भादरा से संजीव बेनीवाल, करौली से दर्शन सिंह, डेगाना से अजय सिंह किलक और बहरोड़ से जसवंत यादव ने वसुंधरा से उनके आवास पर मुलाकात की। वहीं, सोमवार को मालवीय नगर से कालीचरण सराफ, शेरगढ़ से बाबू सिंह राठौड़, दूदू से प्रेमचंद बैरवा, मनोहरपुर थाना से गोविंद रानीपुरिया, किशनगंज से ललित मीणा, अंता से कंवरलाल मीणा, बारां से राधेश्याम बैरवा, डग से कालूलाल मीणा, गुडामालानी से केके विश्नोई, सिकराय से विक्रम बंशीवाल, बांदीकुई से भागचंद टाकड़ा, नसीराबाद से रामस्वरूप लांबा, छबड़ा से प्रताप सिंह सिंघवी, जहाजपुर से गोपीचंद मीणा, वैर से बहादुर सिंह कोली, ब्यावर से शंकर सिंह रावत, जायल से मंजू बाघमार, नावां से विजय सिंह चौधरी, पिंडवाड़ा-आबू रोड से समाराम गरासिया, निवाई से रामसहाय वर्मा, बाली से पुष्पेंद्र सिंह राणावत, केकड़ी से शत्रुघ्न गौतम, लोहावट से गजेंद्र खींवसर, सादुलशहर गुरवीर सिंह, चाकसू से रामावतार बैरवा ने भी वसुंधरा से मुलाकात की।

सुखदेव गोगामेड़ी की हत्या का समाचार सुनकर स्तब्ध हूं : सी.पी. जोशी

- 'सुखदेव गोगामेड़ी ने सुरक्षा मांगने के लिए कई बार आग्रह किया फिर भी गहलोत सरकार ने सुरक्षा क्यों नहीं दी?'

जयपुर। करनी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या पर शोक प्रकट करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि गोगामेड़ी की हत्या का समाचार सुनकर स्तब्ध हैं। प्रदेश में एक अराजकता का माहौल पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। गोगामेड़ी ने सुरक्षा मुहैया कराने के लिए कई बार पुलिस से आग्रह किया गया था, लेकिन उन्हें सुरक्षा क्यों नहीं दी गई, यह जांच का विषय है। हमने इस हत्याकांड के बाद पुलिस के आला अधिकारियों से बात करके आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के लिए कहा है, और प्रदेश में इस तरह के अपराधियों के लिए सख्त कानून बनाने की दिशा में भी प्रयास किये जाएंगे।

जोशी ने कहा कि प्रदेश में विगत पांच साल से जो गुंडाराज और अराजकता का माहौल था आज की घटना उसी का परिणाम है। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद यह स्पष्ट देखा जा सकता है कि बदमाशों में किसी तरह का कोई खौफ ही नजर नहीं आ रहा।

वहीं दूसरी ओर विद्याधर नगर विधायक दीया कुमारी ने कहा कि श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या की सूचना स्तब्ध करने वाली है। ईश्वर शोक संतप्त परिवार को यह आघात सहन करने की शक्ति प्रदान करें। सभी सम्मानित जनों से सामाजिक सद्भाव और शांति बनाए रखने की अपील करती हूँ। प्रदेश में कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिए भारतीय जनता पार्टी दृढ़ संकल्पित है। हमारी सरकार बनने के पहले ही दिन से अपराधियों और अपराध पर नकेल कसने के लिए हर संभव कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी और प्रदेश को अपराधमुक्त बनाया जाएगा।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

जनप्रतिनिधियों को जनता की उन्नति के साथ सुशासन देना चाहिये : दामोदर चिरानिया

जयपुर। प्रबुद्धजनों की संस्था मुक्तमंच की 76वीं संगोष्ठी ''लोकतंत्र में मूल्यों का पराभव'' विषय पर हुई। मनीषी विद्वान डॉ. नरेन्द्र शर्मा 'कुसुम' की अध्यक्षता में हुई संगोष्ठी के मुख्य अतिथि, प्रखर चिंतक अरूण कुमार ओझा आईएएस (रि.) थे। इसका संयोजन शब्द संसार के अध्यक्ष श्रीकृष्ण शर्मा ने किया।

मुख्य अतिथि अरुण ओझा ने कहा कि राजनैतिक दल चुनाव पूर्व अपने संकल्प पत्रों में लोकलुभावन घोषणाओं के साथ गारन्टी के आश्वासन देते हैं और चुनाव बाद उन्हें जुमला बता दिया जाता है। जनप्रतिनिधियों में नेतृत्व क्षमता का अभाव है। गांधीजी जैसी नेतृत्व क्षमता दिखाई नहीं देती।

संगोष्ठी के अध्यक्ष डॉ. नरेन्द्र शर्मा कुसुम ने कहाकि मतदाता जागरूक नहीं हैं जिससे लोकतंत्र के सभी सपने, आकाक्षांएं, अपेक्षाएं धूल धूसरित हो जाती हैं। ऐसे में समाज के प्रबुद्धवर्ग को सशक्त राज्य इच्छा शक्ति पैदा करने की जरूरत है। वे समाज के पहरुए बनें।

चिंतक और इंजीनियर दामोदर चिरानिया ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को जनता की उन्नति के साथ सुशासन देना चाहिए। उनके निर्णयों में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यों में निष्पक्षता होनी चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि हम दल के प्रतिनिधि को ही अपना प्रतिनिधि नहीं बनाएं।

पूर्व बैंकर इन्द्र भंसाली ने कहा कि सा प्राप्ति के लिए राजनेता झूठ, फरेब, छल-कपट का ही सहारा नहीं लेते अपितु तरह-तरह के प्रलोभन देकर मत प्राप्त करते हैं। इससे राष्ट्रीय एकता, अखण्डता और धर्म निरपेक्षता के प्रति निष्ठा प्रभावित होती है। इससे देश लक्ष्य से भटक जाता है। डॉ. मंगल सोनगरा ने कहा कि कहने को हमने लोकतंत्र और शासन विधि को अपनाया है किन्तु उसमें लोक लुप्त हो गया है। राजनैतिक दल लोकतंत्र के ठेकेदार बन गए हैं।

आईएएस (रि.) रामस्वरूप जाखड़ ने कहा कि सेवाओं की गुणवत्ताहीनता, कानून की अवहेलना और आपराधिक जांचों में पक्षपातपूर्ण हस्तक्षेप से लोकतांत्रिक मूल्यों का पराभव हो रहा है। शिक्षाविद् प्रो. आरपी गर्ग ने कहाकि आज लोकतंत्रात्मक प्रणाली तानाशाही में बदल रही है। नोटबंदी, कालाधन और जीएसटी इसके उदाहरण हैं।

प्रगतिशील विचारक-पत्रकार सुधांशु मिश्र ने कहा कि हमने लोकतंत्र प्रणाली को तो अपना लिया लेकिन आत्मा तो सामंती विचारों में जकड़ी हुई है। लोकतंत्र में लोक का महत्व होना चाहिए लेकिन आचरण इसके विपरीत है। जनप्रतिनिधियों को ऐसे विभागों का दायित्व दिया जाता है जिसके बारे में उनको ज्ञान नहीं होता। नीतियों का निर्धारण कोरपोरेट घरानों की इच्छानुसार होता है। संगोष्ठी में वरिष्ठ साहित्यकार फारूक आफरीदी, आईएएस विष्णुलाल शर्मा, मीडियाकर्मी सुमनेश अंशुमान शर्मा, अनिल यादव, वित्त विशेषज्ञ आरके शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र को बचाना है तो सुयोग्य जनप्रतिनिधि चुनें। कवि कल्याणसिंह शेखावत ने अपनी कविताओं के माध्यम से स्वस्थ लोकतंत्र की महता बताई।

प्रबुद्धजनों की संस्था मुक्तमंच की संगोष्ठी ''लोकतंत्र में मूल्यों का पराभव'' विषय पर आयोजित हुई।

खोया पाया

मेरे मकान संख्या 117/387 मानसरोवर, जयपुर के मूल No Dues Letter, Allotement Letter, Possession Letter कहीं गुम हो गये है। मिलने पर सूचित करें। 9660795615

आम-सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य समुन्द्र सिंह पुत्र श्री लादूसिंह, पता-244, सुथार मेघवाल मौहल्ला, पातलीसर बडा, चुरु राजस्थान का है मेरे अभिभाष्य का पुत्र स्वरुप सिंह, पता प्लाट नम्बर 7, आनन्द कॉलोनी, मुरलीपुरा, जयपुर मेरे अभिभाष्य के कहने में नही है तथा आवारा संगती में रहता है इस कारण मेरे अभिभाष्य ने अपने पुत्र को अपनी समस्त चल व अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है। यदि कोई भी व्यक्ति या संस्था स्वरुप सिंह से कोई लेन-देन, संव्यवहार करता है, तथा मेरे अभिभाष्य के पुत्र का किसी भी पुलिस थाने, न्यायालय मे या अन्य जगह कोई विवाद होगा तो उसकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी। सूचित रहे।

भवदीय
इमरान खान-एडवोकेट

आम सूचना यह कि जेडीए, जयपुर द्वारा प्लॉट संख्या 243 एवं 246, चित्रकूट स्कीम सेक्टर 4, जयपुर के पट्टे श्री गौरांग मुखर्जी पुत्र श्री ए.सी. मुखर्जी के पक्ष में दिनांक 24.05.2022 व 16.10.2020 को जारी किये गए थे। श्री गौरांग मुखर्जी द्वारा उक्त दोनो प्लॉटो की अल अलग वसीयत अपने पुत्र श्री रूद्र मुखर्जी के हक में दिनांक 13.12.2022 को निष्पादित कर दी। श्री गौरांग मुखर्जी का स्वर्गवास दिनांक 22.02.2023 को हो गया। इनके स्वर्गवास के पश्चात् श्री रूद्र मुखर्जी उक्त अचल सम्पत्ति के मालिक स्वामी काबिज हुए। श्री रुद्र मुखर्जी द्वारा उक्त दोनो प्लॉटों पर कोटक महिन्द्रा बैंक लिमिटेड जयपुर से ऋण हेतु आवेदन किया गया है। यदि उक्त अचल सम्पत्ति के कोटक महिन्द्रा बैंक लिमिटेड जयपुर में बन्धक किये जाने के संबंध में किसी को कोई भी आपत्ति हो तो सात दिन में पेश करें। बाद मियाद आपत्ति अमान्य होगी। आर. वी. पार्टनर्स, एडवोकेट, ए-19, वैशाली मार्ग, वैशाली नगर, जयपुर-09928214445

आर. वी: पार्टनर्स
विशाल कुमार, एडवोकेट

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे एवं मेरे पिता श्री सुरेश चन्द्र दुबे पुत्र श्री राम गोपाल दुबे के सयुक्त नाम से आवासीय फ्लेट नं. ए-119, ग्राण्ड विस्ताज, कनक वृन्दावन, नियर वैशाली नगर, सिरसी रोड़, ग्राम सिरसी, जयपुर (राज.) में स्थित है, जिस पर मैने एवं मेरे पिताजी श्री सुरेश चन्द्र दुबे पुत्र श्री राम गोपाल दुबे ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक में विलय से पूर्व नाम एचडीएफसी लिमिटेड) से जरिये ऋण खाता संख्या 601532608 से ऋण लिया हुआ था तथा उक्त आवासीय फ्लेट नं. फ्लेट नं. ए-119, ग्राण्ड विस्ताज, कनक वृन्दावन, नियर वैशाली नगर, सिरसी रोड़, ग्राम सिरसी, जयपुर (राज.) के समस्त असल दस्तावेज एचडीएफसी लिमिटेड में रहन (Mortgage) कर रखे हैं। यह कि मेरे पिता श्री सुरेश चन्द्र दुबे पुत्र श्री राम गोपाल दुबे का दिनांक 02.03.2019 को स्वर्गवास हो चुका है तथा उक्त फ्लेट के पेटे लिये हुये ऋण की पूर्ण अदायगी एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक में विलय से पूर्व नाम एचडीएफसी लिमिटेड) को की जा चुकी है, इसलिये अब मैं उक्त आवासीय फ्लेट नं. फ्लेट नं. ए-119, ग्राण्ड विस्ताज, कनक वृन्दावन, नियर वैशाली नगर, सिरसी रोड़, ग्राम सिरसी, जयपुर (राज.) के असल दस्तावेजों को प्राप्त करना चाहता हूँ यदि इस संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति है तो मय दस्तावेज प्रकाशन तिथि से सात दिवस तक की अवधि में एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, शाखा सी-25, भगवान दास रोड़, सी-स्कीम, जयपुर (फोन नम्बर 0141-6480799) में सम्पर्क करें। सूचित रहे।

(संजय द्विवेदी)
पुत्र स्व. श्री सुरेश चन्द्र दुबे,
निवासी फ्लैट नं. ए-119, ग्राण्ड विस्ताज, कनक वृन्दावन, नियर वैशाली नगर, सिरसी रोड, ग्राम सिरसी, जयपुर (राज.) मो.नं. 9588834367

नाम परिवर्तन

मैं मरियम्मा बाबू पाणिकर W/O बाबू पाणिकर R/O 13/77, मालवीय नगर, जयपुर। मैंने अपना नाम बदलकर मरियम्मा बाबू पाणिकर कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए।

मै बाबू पाणिकर S/O मथाई पाणिकर R/O 13/77, मालवीय नगर, जयपुर। मैंने अपना नाम बदलकर मथाई पणिकर बाबू पाणिकर कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए।

मैंने अपना नाम MOHAMMED ISMAIL से बदल कर MOHAMMAD ISMAIL रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। MOHAMMAD ISMAIL S/O ABRAR HUSSAIN H.N.3991, तोप खाने का रास्ता चांदपोल बाजार, जयपुर

मैं, आर्मी नं.2706086Y L/NK तौसीफ यूसुफ निवासी अव्हादू डाकघर अरेह कुलगाम जिला कुलगाम (J&K)। आर्मी सर्विसरिकॉर्ड में मेरे पिता का नाम मोहम्मद यूसुफ इटू (Mohd Yousuf Itoo) गलत दर्ज है। आधार और पैनकार्ड के अनुसार सही नाम मोहम्मद यूसुफ इटू (Mohd Yousf Itoo) है।

मैं, आर्मी नं.2706086Y L/NK तौसीफ यूसुफ निवासी अव्हादू डाकघर अरेह कुलगाम जिला कुलगाम (J&K)। आर्मी सर्विसरिकॉर्ड में मेरी मां का नाम जुबादा अख्तर गलत दर्ज है। आधार और पैनकार्ड के अनुसार सही नाम जुबेदा बेगम है।

मै नं: 18025401P सैपर यशपाल पुत्र राजेन्द्र प्रसाद यूनिट 235 इंजिनियर रेजिमेंट सी/ओ 99 एपीओ वीपिओ जटियाना तहसिल कोटकासिम जिला अलवर अपने हलक से बयान करता हूँ कि मेरे आर्मी रिकॉर्ड में मेरे पिता का नाम RAJENDER PRASAD दर्ज है, जो कि गलत है। मेरे पिता का सही नाम RAJENDRA PRASAD है।

मैंने अपना नाम विजयलक्ष्मी जैन से बदलकर विजयलक्ष्मी रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये। P.No.14, आसिन्द नगर, सांगानेर, जयपुर।